an>

Title: Need to construct dams on rivers in Himachal Pradesh and Haryana.

**श्री रत्न लाल कटारिया (अम्बाला)** ः मैं आदरणीय प्रधानमंत्री जी के ध्यान में लाना चाहता हूँ कि मानसून आने पर हमारे देश में जहां कृषि क्षेत्र को काफी फायदा होता है वहीं पर हर वर्ष जन-धन की व्यापक हानि होती है और कई राज्य बाढ़ग्रस्त हो जाते हैं। मैं मांग करता हूँ कि मानसून आने से पहले युद्धस्तर पर जल प्रबंधन व बाढ़ के खतरे को टालने के प्रबंध किये जाये। प्रधानमंत्री जी ने वर्षा के पानी की एक-एक बूंद बचाने का आह्वान किया है। मैं आदरणीय जल प्रबंधन मंत्री जी के ध्यान में लाना चाहूँगा कि मेरे अम्बाला लोक सभा क्षेत्र का 100 कि.मी. से भी अधिक क्षेत्र हिमाचल प्रदेश के पहाड़ी क्षेत्र के साथ लगता है। मेरे क्षेत्र के यमुनानगर जिले में जिस प्रकार से पाँच राज्यों ने मिलकर हथिनीकुंड बैराज बनाया हुआ है अगर इसी प्रकार से हिमाचल में रेणुका व किसाऊ नदी पर बांधों का निर्माण कर दिया जाता है और हरियाणा में यमुना नदी और सहायक नदियों पर बांधों का निर्माण कर दिया जाता है तो हरियाणा, राजस्थान व दिल्ली सहित कई अन्य राज्यों की जल समस्याओं का समाधान हो सकता है और वर्षा का जो 85 प्रतिशत से भी अधिक जल बेकार चला जाता है उस जल का संचय करके हम हाइड्रो पावर का निर्माण कर सकते हैं। मैं मांग करता हूँ कि उपरोक्त बांधों के अतिरिक्त मेरे लोक सभा क्षेत्र के साथ लगती नदियों में आ रहे वर्षा के जल प्रबंधन के लिए भी छोटे-छोटे डैम बनाए जायें ताकि हम अपनी जल संबंधी आवश्यकताओं को पूरा कर सके।